

श्रेयक,

डॉ० राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

शेदा में,

निदेशक,
प्रशासनिक शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

मध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक 27 जनवरी, 2010.

विषय:

अनुसूचित जाति उपयोजना (एस.सी.एस.पी.) के अन्तर्गत राज्यीय उच्चतर
मध्यमिक विद्यालयों के चालू भवन निर्माण कार्य हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपसूचित विषयक आदेश संख्या: 5331/22932/एस.सी.पी./2009-10, दिनांक: 16 जुलाई 2009, के संदर्भ में तथा शासनादेश संख्या: 487/XXIV-3/09 दिनांक 27 दिसम्बर, 2008 एवं शासनादेश संख्या 1610/XXIV-3/07/02(116) 05 टी.सी. दिनांक 17 जनवरी 2008 के क्रम में भुझ यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय अनुसूचित जाति उपयोजना (एस.सी.एस.पी.) अन्तर्गत निम्नांकित 02 राज्यीय उच्चतर मध्यमिक विद्यालयों के भवन निर्माण हेतु उनके सम्मुख स्तम्भ -4 पर उल्लिखित पुनरीक्षित लागत पर वित्तीय एवं प्रशासकीय अनुमोदन प्रदान करते हुये अनुमोदित लागत के सापेक्ष स्तम्भ-5 पर पूर्व में स्वीकृत धनराशि को सन्तुष्ट करने हेतु स्तम्भ-6 पर अंकित विवरणानुसार कुल रु० 77.08 लाख (सप्त सत्तर लाख आठ हजार मात्र) की धनराशि की चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में शासनादेश संख्या: 1423/XXIV -3/09/02(34)2009 दिनांक 16 सितम्बर 2009 द्वारा प्रस्तावित योजनाअन्तर्गत आगक निशर्तन पर रखी गयी धनराशि रु० 250.00 लाख में से निम्नानुसार व्यय करने की सार्थ स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों से अधीन प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र. सं.	विद्यालय / उपयोजना का नाम	कुल अनुमोदित लागत	पुनरीक्षित लागत	पूर्व में स्वीकृत धनराशि	स्वीकृत हेतु बाक़ी धनराशि
1.	02	03	04	05	06
01	रा० उ० म० वि० आसी बनारी	70.00	123.54	70.00	53.54
02	रा० उ० म० वि० मैतलीकरी बरौली	70.00	93.54	70.00	23.54
	कुल योग:-	140.00	217.08	140.00	77.08

1. उल्लिखित विद्यालयों के अनुसूचित जाति बाहुल्य चार्ज/बाडी में विद्यमान होने पर ही धनराशि की व्यय किया जायेगा।

2. स्वीकृत धनराशि कार्यवाही संस्था को उपलब्ध कराये जाने से पूर्व व्यय के संबंध में जिला विभाग के शासनादेश सं० 475/XXVII(7)/2008 दि० 15-12-08 से अनुसार

अभि

निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एमओयू अवरुध्द हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जाय एवं निर्धारित समयसारिणी के अनुसार प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य तदनवच्छेद रूप से पूर्ण कराकर समय विधान को हस्ताक्षरित करा लिया जाना भी सुनिश्चित किया जाय।

3. आगमन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें सिद्धयुक्त और रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से भी नहीं हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन अवस्था आवश्यक होगी। तदोपरान्त ही आगमन की स्वीकृति ग्राह्य होगी।

4. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन/समन्वित गठित कर निम्नानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति की किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। निर्माण इकाई उक्त पुनरीक्षित लागत के अन्तर्गत ही कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करे।

6. एक गुप्त अधिकारी को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से स्वीकृत प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेककर किया जाय।

7. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताये तकनीकी दृष्टि को मद्दे नजर रखते हुए एवं लोडिंग/डिड द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पन्नित करना सुनिश्चित करे।

8. कार्य कराने से पूर्व सम्बन्धित अधिकारियों एवं भूमिस्वामी (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भूतल-भाती निरीक्षण अवरुध्द बना लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात विदे एवं निर्देशों को अनुसरण ही कार्य चलाया जाए।

9. आगमन में जिन स्तरों हेतु जो राशि स्वीकृत/की गई है, उसीगद पर व्यय किया जाय एक मद्र का दुराही मद्र में व्यय कदापि न किया जाय।

10. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवरुध्द बना लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।

11. जीपी/डब्ल्यू फार्म ड्राई शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पन्नित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगमन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा। विलम्ब के कारण आगमन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।

12. शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219(2006) दिनांक: 30.05.08 द्वारा निर्मित आर्देरों के तन्म में कार्य करते समय अथवा आगमन गठित करते समय कड़ाई से पालन कराया जाना सुनिश्चित करे।

2. उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहां आवश्यक हो व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवरुध्द प्राप्त कर ली जाए। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर तथा समय शासन तथा स्थालेवाकर को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति एवं प्रत्यादा न अनानुमोदित भया कदापि न किया जाय।

3. इस संस्था में होने वाला व्यय साल्व वित्तीय वर्ष 2009-10 से आरंभ-व्ययक में अनुदान संख्या-30 के अधीन लेखा शीर्षक- 4202-विशेष खर्चक अन्तर्गत संरक्षित

हार्नि

पर पूंजीगत परिवर्धन 01- सामान्य शिक्षा 202- माध्यमिक 02-आयोजनागत-02 अनुसूचितों के लिए स्वेच्छत कम्पौनेन्ट प्रान-0201 अनुसूचितों बाहुल्य क्षेत्रों में रा0हा0/80 अस्तेछों के भवनदीन भवनों का निर्माण- 24-ग्रहद निर्माण कार्य के नामे डाला जावेगा।
4- यह अर्देश वित्त विभाग के असासकीय संख्या 748(P)XXVII(3)09-10 दिनांक 14 जनवरी, 2010 में प्राप्त उनकी सहमती से निर्गत किये जा रहे हैं।

सदरीय
/ (डा० रावेश कुमार)
सचिव।

पुष्पांकन संख्या 1952(1)/XXIV-3/09/02(115)03 . तददिनांक।
प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचना एवं अवगमक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव, मा० राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड सरकार।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. निजी सचिव, सचिव विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल भण्डाल- पीडी।
7. संप्रदाय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल भण्डाल-पीडी।
8. बजट एवं राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय देहरादून।
9. जिलाधिकारी, चमोली।
10. कोषाधिकारी, चमोली।
11. जिला शिक्षा अधिकारी, चमोली।
12. सम्बन्धित निर्माण एजेंसी।
13. वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकाश उत्तराखण्ड सचिवालय।
14. कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग) उत्तराखण्ड शासन।
15. एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
16. सम्बन्धित निर्माण एजेंसी।
17. गार्ड फाइल।

आज्ञा से
/ (जी०पी०शिवाजी)
अनुसचिव।